ECONOMCIS TIMES N.D 27/11/18

# रबड़ की डिमांड कम और सप्लाई ज्यादा रहने से प्राइस घटा

**कृष्णकुमार पीके** कोच्चि

**डोमेस्टिक रबड़** शीट की कीमतों में नवंबर में 4 पर्सेंट की गिरावट आई है क्योंकि इसकी डिमांड सुस्त है और प्रॉडक्शन में बढ़ोतरी हुई है। टायर बनाने में आरएसएस 4 किस्म के रबड़ का इस्तेमाल होता है, जिसका दाम पिछले मंगलवार को गिरकर 120 रुपये प्रति किलो पर आ गया था। सितंबर में अच्छी बारिश के चलते केरल और अन्य शीर्ष उत्पादक राज्यों में रबड़ की टैपिंग पीक पर है। रबड़ बोर्ड के कमिश्नर (रबड़ प्रॉडक्शन) एस पी इदिकुला ने कहा, 'अक्टूबर में प्रॉडक्शन पिछले साल के बराबर ही रहेगा।' पिछले साल अक्टूबर में रबड़ का उत्पादन 62,000 टन था।

मॉनसून के दौरान मूसलाधार बारिश के चलते रबड़ के पेड़ों को भारी नुकसान हुआ था। हालांकि, अब इन पर फिर से पत्तियां आनी शुरू हो गई हैं। अगस्त में भारी बारिश और बाढ़ के चलते केरल की स्थिति बहुत खराब हो गई थी। उन्होंने बताया, 'इस बार टैपिंग लंबे समय तक चलने की उम्मीद है।' रबड़ बोर्ड ने पहले 7 लाख टन प्रॉडक्शन का टारगेट रखा था। हालांकि, अब उसने उत्पादन के 6 लाख टन रहने की ही उम्मीद जताई है। पिछले साल भी प्रॉडक्शन 7 लाख टन से कम (6.94 लाख टन) रहा था।

घरेलू बाजार में कीमतें अंतरराष्ट्रीय बाजार के मुताबिक ही चल रही हैं। चीन में डिमांड के मुकाबले सप्लाई काफी ज्यादा है, जिसके चलते रबड़ की कीमतों में गिरावट आ रही है। वहीं, ग्लोबल मार्केट में दाम कम होने की वजह से भारतीय टायर कंपनियों ने रबड़ का आयात बढ़ा दिया है। कंपनियां विदेशी मार्केट से ब्लॉक रबड़ खरीदती हैं और अभी इसका दाम 88 रुपये प्रति किलो है। रबड़ डीलर एन राधाकृष्णन ने बताया, 'मार्केट में रबड़ की आवक के हिसाब से डिमांड नहीं है। टायर कंपनियां कम दाम के चलते इंपोर्ट पर ज्यादा जोर दे रही हैं।' हालांकि, उन्हें लगता है कि कंपनियां घरेलू बाजार से ज्यादा खरीदारी करेंगी क्योंकि फिलहाल इंटरनेशनल और डोमेस्टिक प्राइस करीब बराबर है।

2017-18 में नेचुरल रबड़ का इंपोर्ट करीब 4.70 लाख टन रहा था, जिसके के 5 लाख टन का आंकड़ा पार करने की उम्मीद जताई गई थी। वहीं, सितंबर में 73,000 टन का रिकॉर्ड इंपोर्ट हुआ। इदुकला ने बताया कि अक्टूबर में रबड़ का आयात कम हुआ है। एसोसिएशन ऑफ नेचुरल रबड़ प्रोड्यूसिंग कंट्रीज (एएनआरपीसी) ने 2019 में थाईलैंड और इंडोनेशिया में उत्पादन बढ़ने के चलते 5.8 पर्सेंट ग्रोथ के साथ ग्लोबल प्रॉडक्शन 145.9 लाख टन रहने का अनुमान लगाया है। एसोसिएशन के मुताबिक, रबड़ की वैश्विक खपत में अकेले चीन का अकेले 40 पर्सेंट हिस्सेदारी है। हालांकि, अमेरिकी टैरिफ की वजह से डिमांड कम हो सकती है। इन सभी ग्लोबल फैक्टर्स के चलते आगे भी रबड़ के दाम गिर सकते हैं।